http://www.onlineBU.com

AE-1007

B.A. Private (Part - I)
Term End Examination, 2016-17

HINDI LITERATURE

Paper - II

हिन्दी कथा साहित्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) गहनों का मरज न जाने इस दरिद्र देश में कैसे फैल गया? जिन लोगों को भोजन का ठिकाना नहीं, वे भी गहनों के पीछे प्राण देते हैं। हर साल अरबों रूपयें केवल सोना-चाँदी खरीदने में व्यय हो जाते हैं। संसार के और किसी देश में इन धातुओं की इतनी खपत नहीं। तो बात क्या है? उन्नत देशों में धन व्यापार में लगता है। जिससे लोगों की परवरिश होती है और धन बढ़ता है। यहाँ धन श्रृंगार में खर्च होता है। उनमें उन्नति

http://www.onlineBU.com

और उपकार की जो महान शक्तियाँ हैं, उन दोनों का ही अंत हो जाता है, बस यही समझ लो कि जिस देश के लोग जितने ही मूर्ख होंगे, वहाँ जेवरों का प्रचार भी उतना ही अधिक होगा।

(ख) भय से चीखकर ओट में हो जाने के लिए भागती हुई औरतों पर दया कर भीड़ छँट गई। चौधरी बेसुध पड़े थे। जब उन्हें होश आया, ड्योढ़ी का पर्दा आंगन में सामने पड़ा था, परंतु उसे उठाकर फिर से लटका देने की सामर्थ्य इनमें शेष न थी। शायद अब इसकी आवश्यकता न थी।

(ग) यह तो इनकी प्रकृति थी। विचित्र जीवन था इनका। घर में दो-चार मिट्टी के बर्तनों के सिवा कोई संपत्ति नहीं। फटे चीथड़ों से अपनी नग्नता को ढांके हुए जिये जाते थे। संसार की चिंताओं से मुक्त। कर्ज से लदे हुए। गालियां भी खाते, मार भी खाते, मगर कोई भी गम नहीं। दीन इतने कि वसूली की बिल्कुल आशा न रहने पर भी लोग इन्हें कुछ न कुछ कर्ज दे देते थे। मटर, आलू की फसल में दूसरों की खेतों से मटर, या आलू उखाड़ लाते और भून भानकर खा लेते या दस-पाँच ऊँख उखाड़ लाते और रात को चूसते।

http://www.onlineBU.com

(घ) दूसरे दिन चिक की पहली पाँति में सात तारे जगमगा उठे, सात रंग के। सत भैया तारा। सिरचन जब काम में मगन रहता है तो उसकी जीभ जरा बाहर निकल आती है, होठ पर। अपने काम में मगन सिरचन को खान-पीने की सुध नहीं रहती। चिक में सुतली के फंदे डालकर उसने पास पड़े सूप पर निगाह डाली- चिउरा और गुड़ का एक सूखा ढेला। मैने लक्ष्य किया, सिरचन की नाक के पास दो रेखाएं उभर आयी। मैं दौड़कर माँ के पास गया-माँ आज सिरचन को कलेवा किसने दिया है, सिर्फ चिउरा और गुड़?

2. ''मुंशी प्रेमचंद का 'गबन' आदर्शोन्मुख यथार्थवादी रचना है।'' इस कथन का औचित्य स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'गबन' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

3. ''यशपाल द्वारा लिखित कहानी 'परदा' में वर्गचेतना का हृदयस्पर्शी चित्रण हुआ है।'' इस कथन के औचित्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

'मलबे का मालिक' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×3

(क) फणीश्वरनाथ रेणु का साहित्यिक परिचय दीजिए।

http://www.onlineBU.com

(ख) 'आकाशदीप' का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) कहानी के तत्वों को संक्षेप में लिखिए।

(घ) 'कफन' कहानी का सारांश लिखिए।

(ङ) बिरादरी बाहर का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के अतिलघु उत्तर दीजिए : 1×10

(क) आपके पाठ्यक्रम में संकलित रांगेय राघव की कहानी का नाम लिखिए।

(ख) घीसू किस कहानी का पात्र है?

(ग) 'कर्मभूमि' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(घ) 'रानी केतकी' की कहानी किसने लिखी?

(ङ) 'गबन' के नायक का नाम लिखिए।

(च) चौधरी पीरबख्श किस कहानी के नायक हैं?

(छ) 'मलबे का मालिक' किस विभाजन पर लिखी गई कहानी है?

(ज) राजेन्द्र यादव की एक कहानी का नाम लिखिए।

(झ) 'रतन' नामक पात्र किस उपन्यास से संबंधित है?

(ञ) किसी एक आंचलिक उपन्यासकार का नाम लिखिए।

(ट) पाठ्यक्रम में संकलित 'चीफ की दावत' कहानी के कहानीकार का नाम लिखिए।

(ठ) मानू किस कहानी की पात्रा है?

———